B.com-I Principal of Economics (S)

By, Sujeet Kr. Suman
R. N. College
(Hajipur)

* मार्शल एवं रौबिन्स के विचारों की तुलना
(Comparision between the views of Marshall & Robbins)

दोनों की परिभाषा में निम्न प्रकार से तुलना की जा सकती है।

	मार्शल	रौबिन्स
1.	मार्शल के अनुसार अर्थशास्त्र यथार्थवादी (Positive) और आदर्शवादी (Normative) दोनों हैं।	रौबिन्स अर्थशास्त्र को केवल यथार्थवादी विज्ञान (Positive Science) मानते है।
2.	मार्शल का अर्थशास्त्र एक सामाजिक विज्ञान है कारण यह मात्र समाज में रहने वाले मनुष्यों का अध्ययन करता है।	इनके अनुसार अर्थशास्त्र मानव विज्ञान है क्योंकि यह सामाजिक-असामाजिक सभी मनुष्यों का अध्ययन करता है।
3.	अर्थशास्त्र केवल भौतिक चीजों का अध्ययन करता है।	अर्थशास्त्र में भौतिक - अभौतिक वस्तुओं का अध्ययन होता है।
4.	अर्थशास्त्र का उद्देश्य मानव का कल्याण है।	अर्थशास्त्र का कोई आदर्श नहीं। वह उद्देश्यों के बीच तटस्थ रहता है।
5	मार्शल की परिभाषा वर्गीत्मक है। क्योंकि वह मनुष्य की क्रियाओं को दो भागों में बाँटता है, आर्थिक एवं गैर आर्थिक क्रिया।	रौबिन्स की परिभाषा विश्लेषणात्मक है क्योंकि ये मानवीय क्रियाओं में कोई भेद नहीं करते।
6.	मार्शल द्वारा अर्थशास्त्र का क्षेत्र सीमित हो जाता है क्योंकि यह मात्र सामाजिक, वास्तविक एवं सामान्य व्यक्ति की आर्थिक क्रिया का अध्ययन करता है।	रौबिन्स का अर्थशास्त्र विस्तृत एवं व्यापक है क्योंकि इसमें सभी प्रकार के व्यक्ति के दुर्लभ साधनों से संबंधित सभी क्रियाओं का अध्ययन होता है।
7.	अर्थशास्त्र केवल धन संबंधित क्रियाओं तथा उन क्रियाओं का अध्ययन करता है जिन्हें मुद्रा के मापदण्ड से मापा जा सके।	इनके अनुसार उन सभी क्रियाओं का भी अध्ययन अर्थशास्त्र में होता है जो सीमित साधन और असीमित आवश्यकताओं से उत्पन्न समस्या है जिसमें चुनाव करना पड़ता है।
8.	मार्शल की परिभाषा सरल एवं व्यवहारिक है। यह हमारी आम जिंदगी से संबंधित है।	रौबिन्स की परिभाषा सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक नहीं है।

Scanned with CamScanner